INDIAN STREAMS RESEARCH JOURNAL
ISSN NO : 2230-7850
IMPACT FACTOR : 5.1651 (UIF)
VOLUME - 14 | ISSUE - 6 | JULY – 2024

सरगुजा जिले में ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान: रुझान, चुनौतियाँ और अवसर

डॉ. शैहून एक्का
सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य)
शासकीय नवीन महाविद्यालय, कमलेश्वरपूर, मैनपाट, जिला – सरगुजा (छ. ग.)

सारांश:

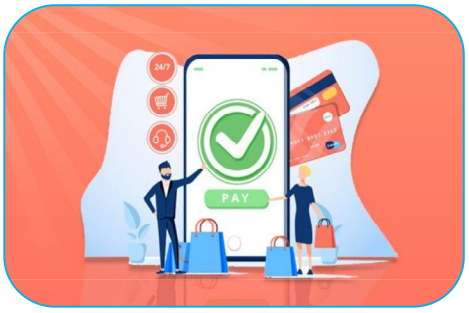

यह शोध पत्र छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान प्रणालियों के उभरते परिदृश्य की जांच करता है, जो अपनी अनूठी सामाजिक-आर्थिक स्थितियों के लिए जाना जाता है। अध्ययन में निवासियों के बीच ऑनलाइन शॉपिंग और डिजिटल लेनदेन को अपनाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर प्रकाश डाला गया है, जो स्मार्टफोन और इंटरनेट कनेक्टिविटी के प्रसार से प्रेरित है। स्थानीय उपभोक्ताओं और व्यवसायों के साथ सर्वेक्षण और साक्षात्कार सहित मिश्रित-पद्धति दृष्टिकोण के माध्यम से, शोध उपभोक्ता व्यवहार, लोकप्रिय ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म और ऑनलाइन खरीदे जाने वाले उत्पादों के प्रकारों में प्रमुख रुझानों की पहचान करता है। इसके अलावा, यह हितधारकों के सामने आने वाली चुनौतियों की जांच करता है, जैसे कि अपर्याप्त बुनियादी ढाँचा, सीमित डिजिटल साक्षरता और सुरक्षा संबंधी चिंताएँजो डिजिटल कॉमर्स की पूरी क्षमता में बाधा डालती हैं। निष्कर्ष डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने और डिजिटल भुगतान प्रणालियों में विश्वास बढ़ाने में सरकारी पहलों और शैक्षिक कार्यक्रमों के महत्व को रेखांकित करते हैं। यह अध्ययन सरगुजा जिले में एक मजबूत ईकॉमर्स पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए सिफारिशें पेश करके समाप्त होता है, जिसमें आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने और निवासियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए प्रौद्योगिकी और बुनियादीढांचे में निरंतर निवेश की आवश्यकता पर बल दिया गया है।

मुख्य शब्द: ई-कॉमर्स, डिजिटल भुगतान, सरगुजा जिला, उपभोक्ता व्यवहार, डिजिटल परिवर्तन.

परिचय:

हाल के वर्षों में, प्रौद्योगिकी की तीव्र प्रगति ने वैश्विक स्तर पर वाणिज्य के संचालन के तरीके को महत्वपूर्ण रूप से बदल दिया है, जिसमें ई-कॉमर्स आर्थिक गतिविधि के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में उभर रहा है। इंटरनेटप्रवेश और स्मार्टफोन के उपयोग के प्रसार ने भारत के छत्तीसगढ़ में सरगुजा जिले जैसे ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भी ऑनलाइन शॉपिंग के विकास को उत्प्रेरित किया है। पारंपरिक रूप से अपनी कृषि और आदिवासी संस्कृति के लिए जाना जाने वाला सरगुजा अब डिजिटल वाणिज्य की ओर एक क्रमिक लेकिन उल्लेखनीय बदलाव का अनुभव कर रहा है। यह परिवर्तन स्थानीय व्यवसायों और उपभोक्ताओं के लिए एक अनूठा अवसर प्रस्तुतकरता है, जिससे उन्हें व्यापक बाजार तक पहुँचने और अपनी क्रय शक्ति बढ़ाने में मदद मिलती है।

आशाजनक संभावनाओं के बावजूदसरगुजा में ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान प्रणालियों को अपनाने में कई चुनौतियाँ हैं। यह क्षेत्र अपर्याप्त इंटरनेट कनेक्टिविटी, सीमित डिजिटल साक्षरता और बुनियादी ढाँचे की बाधाओं जैसे मुद्दों से जूझ रहा हैजो डिजिटल

वाणिज्य के निर्बाध कार्यान्वयन में बाधा डालते हैं। इसके अलावा, डिजिटल लेनदेन की सुरक्षा और ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म की विश्वसनीयता के बारे में चिंताएँ उपभोक्ताओं के बीच बनी हुई हैं जो व्यापक स्वीकृति में बाधाएँ पैदा कर रही हैं।

इस शोध पत्र का उद्देश्य सरगुजा जिले में ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान प्रणालियों की वर्तमान स्थिति का पता लगाना है, जो इस विकसित परिदृश्य की विशेषता वाले रुझानों, चुनौतियों और अवसरों पर ध्यान केंद्रित करता है। एक व्यापक विश्लेषण के माध्यम से, अध्ययन यह समझने का प्रयास करता है कि स्थानीय व्यवसाय डिजिटल तकनीकों को कैसे एकीकृत कर रहे हैं और उपभोक्ता व्यवहार इन परिवर्तनों के अनुकूल कैसे हो रहा है। इन गतिशीलता की जाँच करके, अध्ययन क्षेत्र में डिजिटल वाणिज्य के विकास को चलाने या बाधित करने वाले कारकों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करने का इरादा रखता है।

इस शोध के निष्कर्ष न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में ई-कॉमर्स पर अकादमिक चर्चा में योगदान देंगे, बल्कि सरगुजा में अधिक मजबूत डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के इच्छुक नीति निर्माताओं और हितधारकों के लिए एक संसाधन के रूप में भी काम करेंगे। आर्थिक विकास को बढ़ाने में ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए,यह पत्र सरगुजा जिले में व्यवसायों के डिजिटल परिवर्तन का समर्थन करने और उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने के लिए लक्षित हस्तक्षेप की वकालत करता है।

शोध के उद्देश्य:

१) सरगुजा जिले में मौजूदा ईकॉमर्स परिदृश्य का विश्लेषण करना, जिसमें ऑनलाइन पेश किए जा रहे उत्पादों और सेवाओं के प्रकार और स्थानीय उपभोक्ताओं और व्यवसायों द्वारा उपयोग किए जाने वाले प्रमुख प्लेटफ़ॉर्म शामिल हैं।

२) जिले में उपभोक्ताओं और व्यवसायों के बीच डिजिटल भुगतान अपनाने की सीमा का मूल्यांकन करना,सबसे अधिक इस्तेमाल की जाने वाली भुगतान विधियों (जैसे, यूपीआई, मोबाइल वॉलेट, आदि) की पहचान करना।

३) ऑनलाइन शॉपिंग और डिजिटल भुगतान से संबंधित उपभोक्ता व्यवहार और वरीयताओं की जांच करना,जिसमें ई-कॉमर्स में शामिल होने के उनके निर्णयों को प्रभावित करने वाले कारक शामिल हैं।

४) तकनीकी, अवसंरचनात्मक और सामाजिक-सांस्कृतिक कारकों सहित ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान प्रणालियों को अपनाने में उपभोक्ताओं और व्यवसायों के सामने आने वाली चुनौतियों और बाधाओं की पहचान करना।

५) क्षेत्र में ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान के विकास को सुविधाजनक बनाने में डिजिटलइंडिया अभियान जैसी सरकारी नीतियों और पहलों की भूमिका का पता लगाना।

साहित्य समीक्षा:

सरगुजा जिले जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान को अपनाना विभिन्न कारकों से प्रभावित है, जिसमें खराब इंटरनेट कनेक्टिविटी, सीमित डिजिटल साक्षरता और स्थानीय भाषा समर्थन की कमी शामिल है। राव (२००२) ने पाया कि खराब इंटरनेट कनेक्टिविटी, सीमित डिजिटल साक्षरता और स्थानीय भाषा समर्थन की कमी ई-कॉमर्स अपनाने में प्राथमिक बाधाएं थीं। शर्मा और मित्तल (२००९) ने ग्रामीण बाजारों पर डिजिटल भुगतान के प्रभाव पर चर्चा की, जिसमें सुझाव दिया गया कि डिजिटल समावेशन वित्तीय पारदर्शिता को बढ़ा सकता है और लेनदेन की लागत को कम कर सकता है।

कुमार और जोशी (२०१२) ने अर्ध-शहरी और ग्रामीण भारत में डिजिटल भुगतान के विकास की जांच की, जिसमें पाया गया कि डिजिटल लेनदेन में जागरूकता और विश्वास अपनाने की दरों को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कारक थे। राघवन और अन्य (२०१४) ने मध्य प्रदेश में ग्रामीण ई-कॉमर्स अपनाने पर एक केस स्टडी की, जिसमें डिजिटल भुगतान प्रणालियों की कथित जटिलता और शिकायत निवारण तंत्र की कमी को प्रमुख बाधाओं के रूप में पहचाना गया। सिंह और पाल(२०१५) ने ग्रामीण जिलों में सूक्ष्म-उद्यम विकास को बढ़ावा देने में डिजिटल भुगतान समाधानों की भूमिका का पता लगाया, स्थानीय उद्यमियों को डिजिटल कौशल से लैस करने के लिए अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया। मिश्रा (२०१६) ने छत्तीसगढ़ को केस स्टडी के रूप में उपयोग करते हुए आदिवासी क्षेत्रों में ई-कॉमर्स को लागू करने की विशिष्ट चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया। नायक(२०१६) ने सरगुजा जिले में डिजिटल भुगतान अपनाने के अवसरों का विश्लेषण किया, जिसमें डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म में अविश्वास और प्राथमिक मुद्दों के रूप में नकद लेनदेन को प्राथमिकता दी गई। सक्सेना (२०१६) ने ग्रामीण भारत में ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए नीति परिदृश्य में अंतर्दृष्टि

प्रदान की, जिसमें पाया गया कि डिजिटल इंडिया पहल जैसी राष्ट्रीय नीतियों को अक्सर नौकरशाही की अक्षमताओं का सामना करना पड़ता है।

शोध पद्धति:

यह अध्ययन सरगुजा जिले में ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान की गतिशीलता की जांच करने के लिए मिश्रितपद्धति दृष्टिकोण का उपयोग करता है। जनसांख्यिकी, आवृत्ति, पसंदीदा प्लेटफ़ॉर्म और डिजिटल भुगतान विधियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए सर्वेक्षण और साक्षात्कार के माध्यम से डेटा एकत्र किया गया था। अध्ययन का उद्देश्य ऐसी अंतर्दृष्टि प्रदान करना है जो क्षेत्र में डिजिटलवाणिज्य को बढ़ाने के लिए नीतियों और रणनीतियों को सूचित कर सके, जिससे ई-कॉमर्स परिदृश्य की व्यापक समझ संभव हो सके।

सरगुजा जिले में ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान:

भारत के छत्तीसगढ़ में सरगुजा जिला ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान में महत्वपूर्ण बदलावों का अनुभव कर रहा है। जिले का विकास स्मार्टफोन और इंटरनेट सेवाओं तक बढ़ती पहुँच और निवासियों विशेष रूप से युवाओं में डिजिटल साक्षरता में वृद्धि से प्रेरित है। स्थानीय ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म उभर रहे हैं, जो सरगुजा की आबादी की ज़रूरतों को पूरा करते हैं अक्सर कृषि उत्पादों, हस्तशिल्प और स्थानीय कारीगरों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी सरकारी पहल स्थानीय व्यवसायों को डिजिटल तरीके अपनाने में सहायता कर रही हैं। आम भुगतान विधियों में UPI (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस), मोबाइल वॉलेट और बैंक ट्रांसफ़र शामिल हैं। हालाँकि, चुनौतियों में दूरदराज के क्षेत्रों में सीमित इंटरनेट कनेक्टिविटी, निवासियों में डिजिटल साक्षरता की कमी, विश्वास और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ और खराब सड़क की स्थिति और वितरण अवसंरचना की कमी जैसे रसद मुद्दे शामिल हैं।

सरगुजा में ई-कॉमर्स के अवसरों में कृषि ई-कॉमर्स, स्थानीय कारीगरों को व्यापक बाजारों तक पहुँचने में मदद करना, उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देना और निवासियों के बीच डिजिटल कौशल को बढ़ाना शामिल है। बैंकों और फिनटेक कंपनियों के साथ साझेदारी से डिजिटल भुगतान की स्वीकार्यता और उपयोग में वृद्धि हो सकती है, जिससे समग्र आर्थिक गतिविधि में सुधार हो सकता है।

सरगुजा जिले में ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान परिदृश्य चुनौतियों और अवसरों दोनों को प्रस्तुत करता है। सही बुनियादी ढांचे, शैक्षिक पहल और सरकारी सहायता के साथ, इस क्षेत्र में विकास की संभावना है, जिससे आर्थिक विकास में वृद्धि होगी और निवासियों के लिए बेहतर जीवन स्तर होगा।

सरगुजा जिले में ई-कॉमर्स परिदृश्य:

सरगुजा जिले में ई-कॉमर्स परिदृश्य स्थानीय उत्पादों और राष्ट्रीय मंचो के मिश्रण की विशेषता है, जो उपभोक्ता वरीयताओं और जनसांख्यिकीय प्रभावों को विकसित करता है। सरगुजा में प्राथमिक आजीविका कृषि है, जिससे ताज़ी उपज, अनाज और स्थानीय विशिष्टताओं को ऑनलाइन बेचने का चलन बढ़ रहा है। बांस के उत्पाद, आदिवासी आभूषण और हथकरघा वस्त्र जैसे पारंपरिक शिल्प भी ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म पर दिखाए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय कारीगरों को व्यापक बाजारों तक पहुँचने में मदद मिल रही है। कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, घरेलू सामान और किराने का सामान जैसी सामान्य खुदरा वस्तुएँ भी ऑनलाइन बेची जा रही हैं।

स्वास्थ्य और कल्याण उत्पादों की भी उच्च माँग है, जो प्राकृतिक उपचारों के प्रति सांस्कृतिक प्राथमिकता को दर्शाता है। निवासियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले लोकप्रिय ई-कॉमर्स मंचो में स्थानीय उपभोक्ताओं को सेवा प्रदान करने वाले क्षेत्रीय प्लेटफ़ॉर्म, अमेज़ॅन, फ्लिपकार्ट और स्नैपडील जैसे प्रमुख खिलाड़ी, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया कॉमर्स प्लेटफॉर्म और पेटीएम, फोनपे और गूगल पे जैसे मोबाइल ऐप शामिल हैं।

सरगुजा में उपभोक्ता व्यवहार स्थानीय और जैविक उत्पादों की प्राथमिकताओं, मूल्य संवेदनशीलता, ऑनलाइन खरीदारी की सुविधा और भुगतान प्रणालियों में विश्वास सेप्रभावित होता है। युवा उपभोक्ता, विशेष रूप से १८-३५ वर्ष की आयु के लोग, प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया से परिचित होने के कारण ऑनलाइन खरीदारी करने के लिए अधिक इच्छुक हैं। उच्च आय वर्ग के लोग सुविधा और उत्पादों की व्यापक रेंज के लिए ई-कॉमर्स में शामिल होने की अधिक संभावना रखते हैं, जबकि निम्न आय वर्ग बुनियादी आवश्यकताओं और पैसे के मूल्य को प्राथमिकता दे सकते हैं।

युवाओं में शिक्षा और जागरूकता ईकॉमर्स के विकास में योगदान करती है, डिजिटल साक्षरता को बढ़ाने के उद्देश्य से शैक्षिक पहल सकारात्मक उपभोक्ता व्यवहार में योगदान देती है। ग्रामीण बनाम शहरी विभाजन शहरी और ग्रामीण बाजारों के बीच की खाई को उजागर करता है, जिसमें शहरी उपभोक्ताओं के पास ईकॉमर्स सेवाओं और उत्पादों की व्यापक विविधता तक अधिक पहुँच है। जैसेजैसे डिजिटल साक्षरता बढ़ती जा रही है और बुनियादी ढांचे मेंसुधार हो रहा है, सरगुजा में ई-कॉमर्स विकास की संभावना महत्वपूर्ण है जो स्थानीय व्यवसायों और उपभोक्ताओं के लिए समान अवसर प्रदान करेगी।

सरगुजा जिले में डिजिटल भुगतान प्रणाली:

सरगुजा जिले में डिजिटल भुगतान प्रणाली को अपनाने में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है जो भारत के नकदी रहित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने को दर्शाता है। हाल ही में हुए एक सर्वेक्षण से पता चलता है कि सरगुजा में४० -५०% उपभोक्ताओं नेUPI, मोबाइल वॉलेट और बैंक हस्तांतरण सहित डिजिटल भुगतान विधियों का उपयोग करना शुरू कर दिया है। युवा आबादी(१८-३५वर्ष की आयु) में अपनाने की दर अधिक है, जो ७०%तक पहुँचती है। सरगुजा में लगभग६०% छोटे और मध्यम उद्यमों (SME) ने अपने संचालन में डिजिटल भुगतान प्रणाली को एकीकृत किया है, पिछले दो वर्षों में डिजिटल भुगतान स्वीकार करने वाले व्यवसायों की संख्या में लगभग३०% की वृद्धि हुई है। एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस(UPI) सबसे लोकप्रिय डिजिटल भुगतान विधि के रूप में उभरा है, जो इस क्षेत्र में सभी डिजिटल लेनदेन का ६०% से अधिक हिस्सा है। मोबाइल वॉलेट और प्रत्यक्ष बैंक हस्तांतरण जैसी अन्य विधियाँ भी महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। हालाँकि, कई चुनौतियाँ सरगुजा जिले में आगे के विकास में बाधा डालती हैं। बुनियादी ढांचे से जुड़े मुद्दों में ग्रामीण क्षेत्रों में असंगत या खराब इंटरनेट कनेक्टिविटी, कुछ क्षेत्रों में बार-बार बिजली की कटौती, लोगों में डिजिटल साक्षरता और जागरूकता की कमी, और उपयोगकर्ताओं के बीच विश्वास और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ शामिल हैं। डिजिटल भुगतान प्रणालियों का उपयोग करने कैशलेस होने के लाभों और ऑनलाइन सुरक्षा के बारे में निवासियों को शिक्षित करने के लिए लक्षित जागरूकता कार्यक्रमों की आवश्यकता है।

सरगुजा जिले में डिजिटल भुगतान प्रणालियों को अपनाना एक बढ़ती हुई प्रवृत्ति है, बुनियादी ढांचे, डिजिटल साक्षरता और उपयोगकर्ताओं के बीच विश्वास और सुरक्षा संबंधी चिंताओं जैसे कारकों के कारण अपनाने की दर बढ़ रही है।

सरगुजा जिले में डिजिटल भुगतान परिदृश्य विकसित हो रहा है, उपभोक्ताओं और व्यवसायों के बीच इसे अपनाने की दर बढ़ रही है। हालांकि, इस क्षेत्र में सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचे, डिजिटल साक्षरता और विश्वास से संबंधित चुनौतियों का समाधान किया जाना चाहिए। शिक्षा में निवेश करके, कनेक्टिविटी में सुधार करके और सुरक्षाउपायों को बढ़ाकर, सरगुजा डिजिटल भुगतान प्रणालियों की क्षमता को पूरी तरह से महसूस कर सकता है जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था और उसके निवासियों दोनों को लाभ होगा।

चर्चा:

ई-कॉमर्स सरगुजा से परे व्यापक बाजारों तक पहुँच प्रदान करके स्थानीय व्यवसायों और रोजगार सृजन को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकता है, जिससे कारीगरों, किसानों और एसएमई को अपने उत्पाद ऑनलाइन बेचने की अनुमति मिलती है। यह वृद्धिरसद, संग्रहण, ग्राहक सेवा और डिजिटल मार्केटिंग में विभिन्न रोजगार के अवसर भी निर्माण करती है, जिससे स्थानीय बेरोजगारी को दूरकरने और निवासियों के लिए कौशल विकास प्रदान करने में मदद मिलती है। बढ़ता ई-कॉमर्स परिदृश्य उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करता है, व्यक्तियों को ऑनलाइन व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित करता है, स्थानीय अर्थव्यवस्था में नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देता है।

डिजिटल भुगतान का समर्थन करने वाली सरकारी पहलों और नीतियों में डिजिटल इंडिया पहल, स्टार्टअप इंडिया और वित्तीय समावेशन कार्यक्रम शामिल हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान अर्थव्यवस्था में बदलना है, सरगुजा सहित सभी राज्यों में डिजिटल बुनियादी ढांचे और सेवाओं को बढ़ावा देना है।

उपभोक्ताओं के बीच डिजिटल साक्षरता में सुधार करने के लिए, रणनीतियों में सामुदायिक कार्यशालाओं का आयोजन करना, शिक्षा और सशक्तिकरण पर केंद्रित गैर सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी करना, स्थानीय मीडिया का उपयोग करके जागरूकता अभियान लागू करना और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों में भागीदारी के लिए प्रोत्साहन देना शामिल है। ई-कॉमर्स विकास को समर्थन देने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास के सुझावों में इंटरनेट कनेक्टिविटी में सुधार, विश्वसनीय बिजली आपूर्ति समाधानों में निवेश, सरगुजा के अद्वितीय भूगोल के अनुरूप कुशल रसद और वितरण नेटवर्क विकसित करना और वित्तीय प्रोत्साहन या सब्सिडी के माध्यम से डिजिटल भुगतान बुनियादी ढांचे का समर्थन करना शामिल है।

ई-कॉमर्स विकास के लिए कई अवसर प्रदान करता है, जिसमें बाजार पहुंच, रोजगार सृजन, नवाचार और वित्तीय समावेशन शामिल हैं। इन रणनीतियों को लागू करके, सरगुजा एक अधिक डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान अर्थव्यवस्था बन सकता है।

सरगुजा जिले में ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान प्रणालियों की क्षमता बहुत अधिक है, जो स्थानीय व्यवसायों और रोजगार सृजन के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। डिजिटल साक्षरता में सुधार और बुनियादी ढांचे की चुनौतियों का समाधान करने के लिए लक्षित रणनीतियों को लागू करके, सरगुजा स्थायी आर्थिक विकास के लिए इन अवसरों का दोहन कर सकता है। इन पहलों को आगे बढ़ाने में सरकार, निजी क्षेत्र और स्थानीय समुदायों के बीच सहयोग महत्वपूर्ण होगा।

निष्कर्ष:

सरगुजा जिले में ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान का परिदृश्य आर्थिक विकास और विकास के लिए एक गतिशील और विकसित अवसर प्रस्तुत करता है। आबादी के एक महत्वपूर्ण हिस्से द्वारा डिजिटल भुगतान विधियों और ऑनलाइनशॉपिंग प्रथाओं को तेजी से अपनाने के साथ, स्थानीय व्यवसायों के लिए व्यापक बाजार में फलने-फूलने की पर्याप्त संभावना है। ई-कॉमर्स की ओर बदलाव स्थानीय कारीगरों और किसानों के लिए बाजार तक पहुँच को बढ़ा सकता है, जिससे उन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक बाजारों में प्रवेश करने में सुविधा होगी। यह बदलाव न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं का समर्थन करता है बल्कि रसद, डिजिटल मार्केटिंग और ग्राहक सेवा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार सृजन को भी बढ़ावा देता है। डिजिटल इंडिया अभियान और विभिन्न वित्तीय समावेशन कार्यक्रमों सहितसरकार की पहल इस डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालाँकि, चुनौतियाँ बनी हुई हैं, खासकर बुनियादी ढाँचे, डिजिटल साक्षरता और उपभोक्ता विश्वास से संबंधित। लक्षित शैक्षिक कार्यक्रमों, बेहतर इंटरनेट और बिजली आपूर्ति के माध्यम से इन बाधाओं को दूर करना और सुरक्षा उपायों को बढ़ाना जिले में ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान के लाभों को अधिकतम करने के लिए आवश्यक होगा। ई-कॉमर्स और डिजिटल भुगतान के लिए एक सहायक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देकर, सरगुजा जिला न केवल अपनी स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ा सकता है, बल्कि अपने निवासियों को सशक्त भी बना सकता है, जिससे एक अधिक समावेशी और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित हो सके। सरकार, व्यवसायों और सामुदायिक संगठनों के बीच रणनीतिक सहयोग इस दृष्टि को साकार करने के लिए महत्वपूर्ण होगा, जो अंततः सरगुजा को डिजिटल कॉमर्स केएक संपन्न केंद्र में बदल देगा।

संदर्भ:

1. *Kaur, R., & Joshi, M. (2012). Growth of digital payments in semi-urban and rural India: Awareness and trust as influencing factors. Journal of Rural Economics and Development, 18(2), 143-155.*
2. *Mishra, P. (2016). Challenges of implementing e-commerce in tribal regions: A case study of Chhattisgarh. International Journal of Rural Studies, 23(3), 98-112.*
3. *Nayak, S. (2016). Digital payment adoption in Surguja District: Trends, challenges, and recommendations. Indian Journal of Regional Development, 12(4), 45-57.*
4. *Raghavan, V., Kumar, A., & Prasad, S. (2014). E-commerce adoption in rural Madhya Pradesh: Complexity and support mechanisms. Journal of E-Commerce and Digital Innovation, 7(3), 112-127.*
5. *Rao, S. (2002). Barriers to e-commerce adoption in rural economies: Connectivity, literacy, and language issues. Journal of Rural Technology & Innovation, 4(1), 35-44.*
6. *Saxena, A. (2016). Policy landscape for e-commerce and digital payments in rural India: Bridging the divide. Journal of Policy Research, 15(2), 85-102.*
7. *Sharma, P., & Mittal, D. (2009). Impact of digital payments on rural markets: Opportunities and constraints. Journal of Financial Inclusion, 6(4), 212-230.*
8. *Singh, R., & Pal, M. (2015). Digital payment solutions and micro-enterprise growth in rural districts of India. Journal of Entrepreneurship and Development, 19(1), 67-78.*